

SHRI SADHU MEHER

Shri Sadhu Meher is always recognized as a talented and committed Film Actor. He first acted in Director Mrinal Sen's Hindi Film "BHUVAN SHOME" which is treated as the mile stone of parallel cinema of India. Since then Shri Meher continued acting mostly in films of New Cinema Movement. He has acted so far in 36 Films in Hindi, 3 films in Bengali, and 4 Films in Odia language under veteran Filmmakers like Shyam Benegal, Mrinal Sen, Tapan Sinha, Budhadeb Dasgupta, Sandeep Ray, Utpalendu Chakravorty, Bimal Dutt and Manmohan Mohapatra etc.

2. Shri Meher was born on January 01, 1940 in a small remote village of Odisha. Right from his childhood he had great aptitude for acting in Drama. After graduation he joined Rabindra Bharati University in Kolkata in Drama Faculty but after completing one year he changed his decision and joined Film and Television Institute of India, Pune in 1964 and passed from FTII with a 1st class 1st Diploma in Cinema in Film acting in 1966. After a long struggle in Mumbai, he at last succeeded in getting a good break by Director Shri Shyam Benegal to act in his film "ANKUR".

3. Shri Meher has lots of contributions in National arena as well as in State level. He was an Indian Delegate at International Berlin Film Festival-1975; Four times Jury Member of Indian Panaroma Government of India - 1982,1991,1992,1996; Two times Jury Member of National Film Awards, Govt. of India - 1983, 2013; Two times Member of Central Organizing Committee of International Film Festival of India, New Delhi-1984,1995; Member of Seminar Committee of Fifth International Children's Film Festival, Govt. of India, 1987 and Three years as the Member of Script Committee of Children's Film Society of India, Govt. of India, 1999,2000,2001. He has also contributions in serving his home state Odisha. He was the Member of Documentary Production Advisory Committee, Govt. of Odisha, for six years — 1987 to 1992, and Director of Board of Directors of Kalinga Studios, Govt. of Odisha for six years — 1987 to 1992.

4. Besides being an Actor, Shri Meher has contributed a lot as a Film Director and Documentary Film Maker also. He has directed 4 Feature Films in Odia language and 1 Film in Hindi language and he has directed a Children Film titled "BABULA" in Odia Language for Children Film Society of India, Govt. of India, under the Chairmanship of Veteran Actor and Film Maker Late Shri V. Shantaram, which is the first Children Film of Odisha State. He has made Telefilms for Children titled "MINI BABLOO "in Hindi, for Mumbai Doordarshan; and another "FATA KAPALA" in Odia, for Cuttack Doordarshan Kendra. He has made Six Short Films based on Indian Classic Stories from Odia Literature for Prasar Bharati, New Delhi. As a Documentary Film Maker, he has made 17 Documentaries for Govt. of Maharashtra, Govt. of Odisha and Govt. of India on various subjects like Water Pollution, Deforestation, Conservation of Electric Power, Odisha Tourism and Maharashtra Tourism. The most important among them is a Documentary for Ministry of Defence, Govt. of India on Indian Arms and Ammunition.

5. Shri Meher is the recipient of numerous awards. He received National Award, Rastrapati Puraskar, as Best Actor for Film 'ANKUR' in 1974. He received special State Felicitation from Govt. of Odisha, 1975; Two times recipient of Uttar Pradesh Film Journalists' Association Award as Best supporting Actor, Film 'ANKUR'-1975 and Best Supporting Actor, Film 'INKAAR'-1978 and Two times recipient of Bengal Film Journalists' Association Award as Best supporting Actor, Film 'ANKUR'-1975 and as Best Actor, Film 'DEV SHISHU'-1989. He received Lifetime Achievement Award from Odisha Film Journalists' Association-1989; Chinta 0 Chetana Rashtriya Sanman-2006; and Utkala Pragyan Sanman from Bhubaneshwar Doordarshan Kendra -2011. He is the recipient of the prestigious and the highest Film Award "Jaydev Puraskar" from Govt. of Odisha, 2010 and International Theatre Award, Bhubaneshwar -2016. Shri Meher has been conferred Honorary Doctorate (D-Lit.) from Jyoti Vihar University, Sambalpur, Odisha -2012.



श्री साधु मेहेर

श्री साधु मेहेर हमेशा से एक प्रतिभा संपन्न एवं प्रतिबद्ध फिल्म कलाकार के रूप में जाने जाते रहे हैं। आपने निदेशक मृणाल सेन की हिंदी फिल्म "भुवन शोम" में पहली बार काम किया जिसे भारत के समान्तर सिनेमा जगत में मील के पत्थर के रूप में माना जाता है। तबसे आपने लगातार अधिकांशत: न्यू सिनेमा मूवमेंट की फिल्मों में अभिनय किया है। आपने अब तक – श्याम बेनेगल, मृणाल सेन, तपन सिन्हा, बुद्धदेब दास गुप्ता, संदीप-रे, उत्पलेंदु चक्रवर्ती, बिमल दत्त एवं मनमोहन महापात्रा आदि जैसे अनुभवी फिल्म निर्माताओं के अधीन हिंदी की 36 फिल्मों, बंगाली भाषा की 3 फिल्मों और उड़िया भाषा की 4 फिल्मों में काम किया है।

2. आपका जन्म ओडिशा के एक छोटे से सुदूर गांव में 01 जनवरी, 1940 को हुआ था। बचपन से ही आपको नाटक में काम करने का बड़ा शौक था। स्नातक की पढ़ाई के बाद आपने कोलकाता में रबीन्द्र भारती विश्वविद्यालय की ड्रामा फैकल्टी ज्वाइन की लेकिन एक वर्ष पूरा करने के बाद आपने अपना निर्णय बदला और वर्ष 1964 में पुणे स्थित फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ज्वाइन कर लिया और एफ टी आई आई से वर्ष 1966 में सिनेमा में फिल्म एक्टिंग के कोर्स में पहला डिप्लोमा प्रथम-श्रेणी के साथ पास किया। मुंबई में एक लंबे संघर्ष के बाद अंतत्तोगत्वा आपने निदेशक श्री श्याम बेनेगल की फिल्म "अंकुर" में काम करने के लिए एक अच्छा ब्रेक पाने में सफलता प्राप्त की।

3. राष्ट्रीय कार्यक्षेत्र के साथ-साथ राज्य स्तर पर आपका काफी योगदान रहा है, आप अंतरराष्ट्रीय बर्लिन फिल्म फेस्टिवल-1975 में भारतीय प्रतिनिधि; वर्ष 1982 1991, 1992 एवं 1996 में चार बार इंडियन पैनोरामा गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के निर्णायक सदस्य (जूरी मेम्बर); वर्ष 1983 एवं 2013 में दो बार नेशनल फिल्म अवार्ड्स – भारत सरकार के निर्णायक सदस्य (जूरी मेम्बर): वर्ष 1984 तथा वर्ष 1995 में दो बार इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली की केन्द्रीय आयोजन समिति के सदस्य; पांचवें अंतरराष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव, भारत सरकार, 1987 की सेमिनार समिति के सदस्य तथा वर्ष 1999, 2000, 2001 में तीन वर्षों तक भारतीय बाल फिल्म सोसायटी, भारत सरकार की स्क्रिप्ट समिति के सदस्य रहे। आपने अपने गृह राज्य ओडिशा के प्रति भी काफी योगदान किया है। आप वर्ष 1987 से 1992 तक छह वर्षों के लिए डाक्यूमेंटरी प्रोडक्शन एडवाइजरी कमेटी, ओडिशा सरकार के सदस्य तथा वर्ष 1987 से 1992 तक छह वर्षों के लिए कलिंगा स्टूडियो, ओडिशा सरकार के निदेशक-मंडल के निदेशक रहे।

4. एक कलाकार होने के अलावा आपने एक फिल्म निदेशक एवं डाक्यूमेंटरी फिल्म निर्माता के रूप में भी काफी योगदान किया है। आपने उड़िया भाषा की 4 फीचर फिल्मों और हिंदी भाषा की एक फिल्म का निर्देशन भी किया है तथा अनुभवी कलाकार एवं फिल्म निर्माता स्व. श्री वी. शांताराम की अध्यक्षता में भारतीय बाल फिल्म सोसायटी, भारत सरकार के लिए उड़िया भाषा में "बाबुला" नाम की एक बाल फिल्म का निर्देशन किया जो कि ओडिशा राज्य की पहली बाल फिल्म है। आपने मुंबई दूरदर्शन के लिए हिन्दी में बच्चों के लिए "मिनी बबलू" नाम की एक टेलीफिल्म का निर्माण किया तथा कटक दूरदर्शन केन्द्र के लिए उड़िया में एक अन्य टेलीफिल्म "फटा कपाल" का निर्माण किया। आपने प्रसार भारती, नई दिल्ली के लिए उड़िया साहित्य से भारतीय प्रतिष्ठित कहानियों पर आधारित छह लघु फिल्मों का निर्माण किया। एक डाक्यूमेंटरी फिल्म निर्माता के रूप में आपने जल प्रदूषण, वननाशन, विद्युत ऊर्जा का संरक्षण, ओडिशा पर्यटन तथा महाराष्ट्र पर्यटन जैसे विभिन्न विषयों पर महाराष्ट्र सरकार, ओडिशा सरकार तथा भारत सरकार के लिए 17 डाक्यूमेंटरी फिल्मों का निर्माण किया। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण डाक्यूमेंटरी फिल्म रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के लिए बनी फिल्म भारतीय शस्त्र एवं गोलाबारूद है।

5. आपको अनेकानेक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। आपको वर्ष 1974 में 'अंकुर' फिल्म के लिए सर्वोत्कृष्ट अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार, प्राप्त हुआ। आपको वर्ष 1975 में ओडिशा सरकार द्वारा विशेष राज्य सम्मान प्राप्त हुआ; आपको उत्तर प्रदेश फिल्म जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन अवार्ड कार्यक्रम में वर्ष 1975 में फिल्म "अंकुर" तथा वर्ष 1978 में फिल्म "इंकार" के लिए सर्वोत्तम सहायक कलाकार का पुरस्कार प्राप्त हुआ और बंगाल फिल्म जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन अवार्ड में दो बार - पहले 1975 में फिल्म 'अंकुर' के लिए सर्वोत्तम सहायक कलाकार तथा इसके बाद वर्ष 1989 में फिल्म "देव शिशु" के लिए सर्वोत्तम कलाकार का पुरस्कार प्राप्त हुआ। आपको वर्ष 1989 में ओडिशा फिल्म जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन से लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार; चिंता और चेतना राष्ट्रीय सम्मान-2006; तथा वर्ष 2011 में भुवनेश्वर दूरदर्शन केन्द्र से उत्कल प्राज्ञ सम्मान प्राप्त हुआ। आपको ओडिशा सरकार से वर्ष 2010 में प्रतिष्ठित एवं सर्वोच्च फिल्म पुरस्कार "जयदेव पुरस्कार" और वर्ष 2016 का अंतरराष्ट्रीय थिएटर अवार्ड, भुवनेश्वर प्राप्त हुआ। आपको ज्योति विहार विश्वविद्यालय, सम्बलपुर, ओडिशा से वर्ष 2012 में मानद डॉक्टरेट (डी-लिट्) की उपाधि से विभूषित किया गया है।